सरस्वती वंदना

WEDNESDAY 17 FEBRUARY

जय-जय-जय हे वीणापाणी
शिव कल्याणी मात भवानी, जय-जय-जय हे वीणापाणी

(1) सात स्वरो के दीप जला दे -2
रोम-रोम संगीत जगा दे -2
जय-जय

← सरगम

(2) सात स्वरो की तु महारानी -2
वेदो ने भी महीमा ना जानी -2

जय-जय . . .

← सरगम

बाजत घुंघरू, बोले पायलियाँ -2
झूम रही है सारी नगरीयाँ -2

जय-जय-जय हे वीणापाणी

सरगम

निरे गरे सा- मधं निध प- निरें गरें सां-

सांनि धप मग रेसा निरे गम प-
निरे गम प-

M T W T F S S M T W T F S S